दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है

दरबार तेरा मैया भक्तों नेसजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

चंदन की चौकी पर अबआन बिराजो मां
कब आओगी मैया मेरा दिल घबराया है
दरबार तेरा मैया भक्तों नेसजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

तेरी लाल चुनरिया मां भक्तों ने मंगाई है
अब जाकर उधो मां भक्तों ने बुलाया है
दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

तेरे हाथों की मेहंदी भक्तों ने मंगाई है
अब आके लगाओ मां भक्तों ने बुलाया है
दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

तेरे पैरों की पायल में भक्तों ने मंगाई है
तुम आकर पहनो मां भक्तों ने बुलाया है
दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

तेरे माथे का टीका भक्तों ने मंगाया है
तुम आकर पहनो मां भक्तों ने बुलाया है
दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

तेरे छप्पन भोग है मां भक्तों ने बनाए हैं
तेरा हलवा पूरी मां भक्तों ने बनाई है
आके भोग लगाओ मां भक्तों ने बुलाया है
दरबार तेरा मैया भक्तों ने सजाया है
पर्वत से चली आओ भक्तों ने बुलाया है

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35303/title/darwaar-tera-maiya-bhagto-ne-sajaya-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |